।।तुही निंरकार ।।
मुक्ती पर्व गीत

(चाल- में तो तुम संग नैना मिलाके)

संतोने दी है जो कुर्बानी
आओ याद करें
उनके समर्पण की ये कहानी
आओ याद करें ।।धृ ।।

गुरु दर पे जीवन ये बिताया
गुरुमत से हरपल ये सजाया.... (2)
ऐसी समर्पित जिन्दगानी
आओ याद करे ।।1।।

हरपल चाही सबकी भलाई
हर इन्सां से प्रीत निभाई.... (2)
सबसे था इक रिश्ता रुहानी
आओ याद करे ।।2।।

सबसे जुदा थे गुरु के वो प्यारे
अनिकेत वो थे मिशन के सितारे.... (2)
रुहे थी वो गुरु की दिवानी
आओ याद करे ।।3।।